

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

Press Note 13 April 2020

UNIVERSITY OF LUCKNOW CHALLENGES COVID 19 WITH E-CONTENT AND E-CLASSES

University of Lucknow has initiated several innovations in the past few months to minimise the negative impact of COVID-19 on students' education and learning. Around 49 departments/institutes have YouTube channels enabling access to 250 video lectures to the students. These lecture videos have been prepared by the faculty members of the University. As a response to COVID 19 the Faculty Members from Faculties of Arts; Commerce; Education; Engineering; Law; and Science have developed 1612 e-content materials (Word/ PDF/ audio and video lectures/ PPTs) and they have all been uploaded on the University website. The University has also initiated online classes. So far, around 558 online classes have been taken by the faculty across departments. This is an ongoing process and has been institutionalised and all departments have notified time tables for e-classes.

The University has also encouraged the teachers of its associated and constituent colleges towards developing e-content and holding online classes by teachers. In an online meeting with the Principals, the Vice Chancellor has extended the use of this platform for college teachers as well. They have been asked to develop and submit e content to respective Heads of Departments and the same will be loaded on the University website post quality check.

In addition, the University has a very rich central library called the Tagore Library. One of the its arms is the Cyber library which has Eight thousand two hundred seventy-one (8271) online electronic journals & databases available through INFLIBNET, e-SodhSindhu programme, nine thousand two hundred seventy-three (9273) e-books, as well as eight thousand six hundred twenty-eight (8,628 +) e-books in the form of CD/DVD. All this online knowledge content is available and open to not just our entire student and faculty family, but will remain open to any researcher or knowledge seeker from anywhere in the world.

गत कुछ महीनों में कोविद-19 के खतरे से लड़ने के लिए और अपने विद्यार्थियों की शिक्षा दीक्षा पर पड़ते कोरोना के असर को कम करने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने कई नवोन्मेषी कदम बढ़ाए हैं. विश्वविद्यालय के 49 विभागों ने अब तक अपने अपने यू-ट्यूब के चैनल बना लिए हैं, जिनमें 250 से ज्यादा विडियो व्याख्यान मौजूद हैं. ये व्याख्यान विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने तैयार किये हैं. न केवल ये, बल्कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर कला, वाणिज्य, शिक्षण, अभियांत्रिकी, विधि और विज्ञान संकाय के विभिन्न शिक्षकों द्वारा निर्मित 1612 अलग अलग प्रकार के (जैसे वर्ड फाइल, पी.डी.ऍफ़., ऑडियो अथवा विडियो व्याख्यान, पी.पी.टी, आदि) ई-कॉन्टेंट भी उपलब्ध हैं. इसके अलावा शिक्षक ऑनलाइन कक्षाएं

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

भी पढ़ा रहे हैं, और अब तक लगभग 558 ऐसी कक्षाएं पढ़ाई जा चुकी हैं. ऑनलाइन कक्षाओं का टाइम टेबल भी जारी किया जा चुका है.

विश्वविद्यालय अपने सम्बद्ध महाविद्यालयों को भी ऑनलाइन क्लास लेने और अच्छा ई-कॉन्टेंट बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है. प्राचार्यों के साथ हुई एक बैठक में लखनऊ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय के वेब-पटल का उपयोग महाविद्यालयों को भी करने का उपदेश दिया और कहा कि वे अपने अध्यापकों को ई-कॉन्टेंट बनाने की प्रेरणा दे, यह ई-कॉन्टेंट विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागाध्यक्षों तक पहुंचाए, जो उनकी गुणवत्ता का मूल्यांकन कर विश्वविद्यालय वेबसाइट पर उपलोड करेंगे.

इसके अलावा, विश्वविद्यालय के पास टैगोर लाइब्रेरी नामक एक बहुत समृद्ध केंद्रीय पुस्तकालय है। इसकी एक शाखा साइबर लाइब्रेरी है जिसमें आठ हजार दो सौ इकहतर (8271) ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक जर्नल और डेटाबेस इनफ्लिबनेट और ई-सोडसिन्धु कार्यक्रम के माध्यम से उपलब्ध हैं, नौ हजार दो सौ तिहतर (9273) ई-पुस्तक उपलब्ध हैं, और सीडी / डीवीडी के रूप में आठ हजार छह सौ अट्ठाईस (8,628 +) ई-पुस्तकें भी उपलब्ध हैं। यह सब ऑनलाइन ज्ञान न केवल हमारे पूरे विद्यार्थी और शिक्षक परिवार के लिए खुला है, बल्कि दुनिया के किसी भी शोधकर्ता या ज्ञान साधक के लिए खुला रहेगा।